सं श्रो॰ वि॰/एफ॰ डी॰/135-86/41804. --च्ंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ संत ग्राटो इण्डस्ट्रीज, 246/24, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री जनार्दन प्रसाद, पुत्र श्री ग्रमृत प्रसाद, मकान नं॰ 341, डा॰ गोशी, तह॰ बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद तथा श्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

मीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रविनियम, 1947 की द्यारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तिकों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के श्रवीन गठित श्रोद्योगिक ग्रविकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीवे विनिद्धिट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री जनार्दन प्रसाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं धो वि /एफ बी / 30-86/41811 — चूंकि श्रीयाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं विविध पोली पैकेंजिंग, 14/7, मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री हुम लाल, मार्फत सीटु 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई प्रौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायिन ग्रंथ हेतु निदिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रोद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई गिनित्यों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यणल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7-के श्रधीन गठित ओद्योगिक श्रिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्षिट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या भी हम लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो बि । (प्र ०डी ० / 29-86 / 41818 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ० विविध पोली पैकें जिंग , 14/.7, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री राम दुलार मार्फत श्री ग्रार० एल० शर्मा, 1कें / 16, एन० ग्राई०टी०, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई शौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अन, औद्योगिक निनाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे निनिर्देष्ट मामजा जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विनाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्गय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्यां श्री राम दुलार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो०वि०/एफ०डी०/120-86/41825.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० विविध पोली पैकेंजिंग, 14/7, मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री जय चन्द झा, मार्फत महा सचिव, ग्रखिल भारतीय किसान मजदूर संगठन, सराय खोजा, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके वाद लिखित मामलें में के सम्वन्ध कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रौर चुकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की घारा 7-क के श्रिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है ज्याय निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री जय चन्द झा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?